सर्वोदय
A DREAM OF MAHATMA

आओ नया भारत बनाएँ

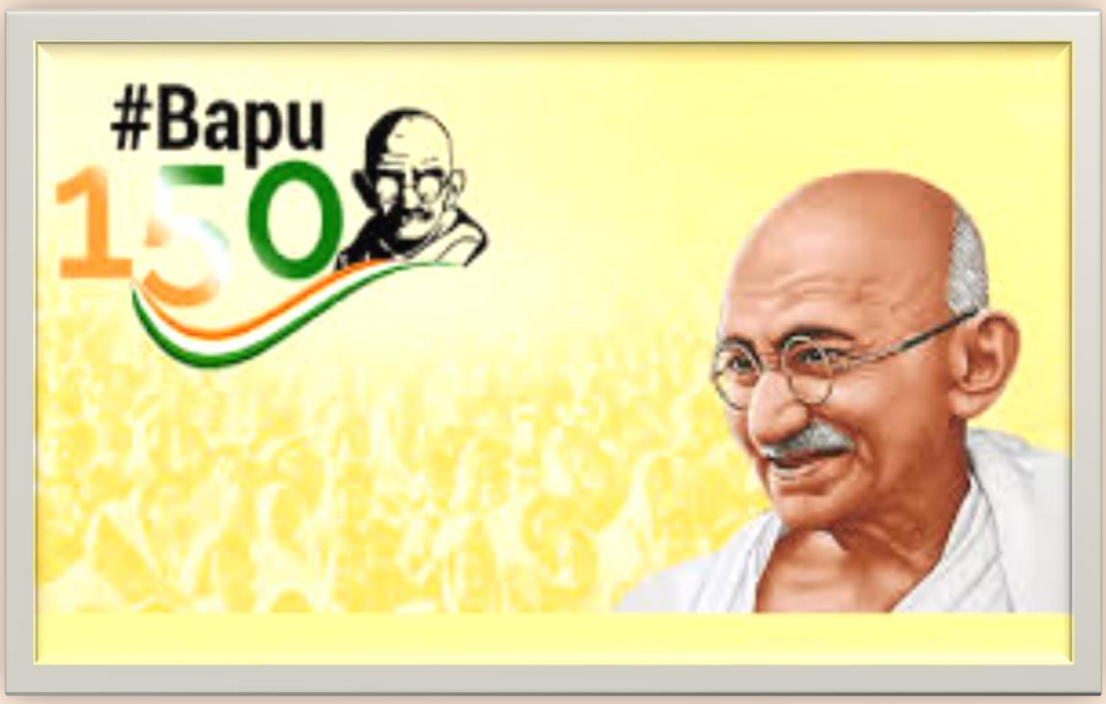

आओ इन स्वतंत्रता सेनानी महापुरुषों के सपनों का भारत बनाएँ

विनोबा भावे

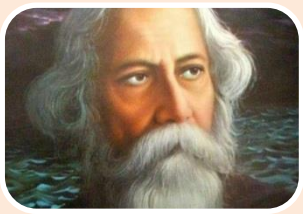
रविन्द्र नाथ

लोकमान्य तिलक

डा. भीमराव आंबेडकर

सर्वोदय के सिधान्त

1- वह शासन प्रणाली जिसमें किसी देश के निवासी अपने गाँव, मौहल्ले,शहर,राज्य का सब शासन और प्रबंधन स्वयं थ बिना किसी बाहरी शक्ति या केंद्र सरकार के दवाब के करते हों | अपना मौहल्ला, अपना गाँव, अपना राज्य अपना देश |

2- सर्वोदय की स्थापना इस बात को सुनिश्चित करेगी कि किसी भी राष्ट्रीय आपदा या विपदा के समय लोगों को अपने काम व नौकरियों से हाथ ना धोना पड़े |

3- सर्वोदय देश के उन ईलाकों के लिए अति महत्वपूर्ण सिद्ध होगा जिन ईलाकों से पलायन अत्यधिक हो रहा है | सर्वोदय पलायन को रोकने के लिए एक मजबूत हथियार के रूप में उभरकर सामने आएगा |

4- सर्वोदय बचपन से ही बच्चों में सभ्यता व संस्कृति का रोपण करेगी जिससे बच्चों में एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होगा | लड़की व लड़के में किसी प्रकार का कोई भेद-भाव नहीं होगा | जिससे आगे चलकर समाज से बलात्कार जैसा घिनौना पाप को मिटाने में सहयोग मिलेगा |

सर्वोदय के मूल आधार

1- आत्म निर्भर गाँव- आत्म निर्भर भारत |

2- मातृशक्ति नेतृत्व स्वीकार्यता- महिला सशक्तिकरण |

3- समाज सेवा अब सैलेरी लेकर |

4- ग़रीबी रेखा से नीचे जीवन व्यापन करने वाले व्यक्ति को ऊपर उठाना |

5- अब मुख्यकर्ता [मजदूर] के मालिक बनने का समय आ गया हैं |

6- एक सच्चा देश प्रेमी ही सर्वोदय का सदस्य होना चाहिए |

7- एक सर्वोदयी के लिए राष्ट्र व संविधान ही सर्वोपरि होगा |

8- सर्वोदय दो राष्ट्रीय पर्व मनाएगा- 26 जनवरी और 15 अगस्त |

9- सर्वोदय पूर्ण रूप से महात्मा गाँधी जी के अहिंसा सूत्र पर आधारित होगा

10- सर्वोदय विनोबा भावे जी की दान भावना तथा समानता का अधिकार पर आधारित होगा |

11- सर्वोदय डा. भीमराव अम्बेडकर जी के द्वारा दिए गए भारत वर्ष के संविधान पर आधारित होगा, जो जातिगत भेदभाव से परे होगा |

12- सर्वोदय लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जी के जज्बे "देश ही सर्वोपरी है" पर आधारित होगा |

13- सर्वोदय ठाकुर रबिन्द्रोनाथ टैगौर जी के देश व अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और सम्मान पर आधारित होगा |

14- आज सर्वोदय के एक सदस्य को अर्थात एक सर्वोदयी को "आत्म संयमी" होना होगा |

15- एक सर्वोदयी सदैव सदाचार के नियमों का पालन करने वाला होगा

16- एक सर्वोदयी दूसरों को धोखा नहीं दे सकता | वो कभी भी किसी भी परिस्थिति में किसी को भी धोखा देने से परहेज करने वाला होगा |

17- एक सर्वोदयी सत्य का पालन करने वाला होगा |जो कभी भी सत्य का त्याग नहीं करेगा |

18- एक सर्वोदयी केवल अपनी भलाई के लिए सोचने के लिए ही सिमित नहीं रहता बल्कि अपने माता-पिता, पत्नी, बच्चे, नौकरों और पड़ोसियों के प्रति भी जवाबदेही होता है |

19- यदि एक सर्वोदयी में ये गुण समाहित हो जाते है तो ऐसा व्यक्ति स्वराज्य का सुख भोगता है |

20- यदि प्रत्येक भारतवासी सत्य पर डटा रहे तो स्वराज अपने आप हमारे पास चला आएगा |

21- एक सर्वोदयी सभी के साथ सामान व्यवहार करेगा |

22- प्रत्येक सर्वोदयी सादा जीवन उच्च विचार पर चलने वाले होने चाहिए जो इसे अपने द्वार की पट्टी ना बनाकर इसे अपने जीवन में उतारे |

23- स्वराज्य विशालकाय कारखाने खड़े करने से प्राप्त नहीं हो सकता |

24- सोना- चाँदी इकठ्ठा किया जा सकता है, मगर उससे स्वराज्य की स्थापना नहीं होगी |

25- एक सर्वोदयी में हिन्दू- मुस्लिम झगड़े, अस्पृश्यता और ऊँच-नीच के भेद का भाव नहीं होना चाहिए |

26- सर्वोदय एक ऐसी दुनिया का श्रृजन करेगी जिसमें साम्प्रदायिकता तथा जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं होगा |

विशेष

- किसी भी आपात काल से निपटने के लिए देश के पास कोई भी अंतरिम प्लान [व्यवस्था] नहीं हैं |

- जैसे- यदि किसान आन्दोलन कर सड़के- ट्रेने रोक दें तो देश की व्यवस्थाएं चरमरा जाती है तुरंत खाद्य पदार्थों की किल्लत होने लगाती है और उनके दाम बढ़ने लगते हैं |
- जैसे- यदि ईरान ईराक में आपस में टेंशन हो जाये या खाड़ी देशों में तनातनी या युद्ध हो जाये तो पैट्रोल - डीज़ल के दाम आसमान छूने लगते हैं | घरेलु गैस पर आफत आ जाती है |
- जैसे- यदि चीन के साथ राजनितिक वैमनस्य पैदा हो जाता है तो ढेरों घरेलु उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग रुक जाती है और दाम माध्यम वर्गीय जनता की जेब के बाहर हो जाते हैं |
- जैसे- यदि बड़ी दूध उत्पादक कम्पनियां दो दिन सप्लाई न करें या रोक दें तो त्राहि- त्राहि मच जाती है |
- जैसे- अगर समय पर बारिश न हो तो देश के सभी बड़े शहरों में पानी की किल्लत पैदा हो जाता है, सूखे व सूखे से खेती का संकट पैदा हो जाता है | और अगर अधिक वर्षा हो जाती है तो सब जानते हैं की देश का कोई शहर या गाँव ऐसा नहीं है जो अधिक वर्षा के कारण पानी से या बाढ़ से नहीं भर जाते हों |
- स्वास्थ्य व चिकित्सा व्यवस्था कोरोना काल में किस प्रकार चरमरा गई थी ये सभी जानते हैं |
- इसी तरह की न जाने कितनी ही समस्याए हैं जिसके लिए देश के पास कई बैकअप पलान नहीं है |
- उपरोक्त सभी समस्याओं का केवल और केवल एक ही हल है.....

“सर्वोदय”

किसी देश या राज्य की उन्नति, उसकी प्रजा के धनि होने से नहीं अपितु प्रजा में संवेदना, सहनशीलता तथा उदारता का कितना भाव है इस बात के द्वारा आंकी जाती है |

जिस देश की प्रजा में असहनशीलता व उग्रता जन्म लेती दिखाई दे तो राजा का फ़र्ज है की इस पर तुरन्त प्रभाव से अंकुश लगाया जाएँ | अन्यथा निकट भविष्य में वह देश अवन्नती की ओर अग्रसर होता दिखाई देगा |

मालिक बनाने के लिए सर्वोदय से जुड़ें,

इच्छाओं का गुलाम बनाने के लिए नहीं